सं. श्रो.वि./एफ डी./294-83/2515.--चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं॰ न्यू कार्सटन, प्लाड नं॰ 363, सैन्टर-24 फरीबाबाद, के श्रमिक श्री सुभाष गुप्ता तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीखोनिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, ग्रीद्यागिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्याल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7(क) के ग्रिधीन श्रोद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीडाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादणस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामने श्रमिक तथा प्रवस्त्र को मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:--- /

वया श्री जुभाष गुप्ता की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं .ग्री.वि./एफ.डी./294-83/2522.--चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राम है कि मैं० न्यू कास्टटिंग प्लाट नं० 363 सैंबटर-24 फरीदाबाद, केश्रमिक श्री ग्रजय विश्वास तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीधोगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतुं निदिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यजाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रीद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं:—

क्या श्री अजय विश्वास की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्री.वि./एफ.डी./202-83/2529 — चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै० गुप्ता इन्जीनियुर्ज 5, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया सँक्टर-26 फरीद:बाद, के श्रमिक श्री विष्णु त्रशाद तया उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है ;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रीधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपघारा(1) के खण्ड (थ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उनत ग्रीधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन भौद्योगिक श्रीधकरण, हरियाणा, फरीदावाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं ——

क्या श्री विष्णु प्रशाद की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यवि नहीं, तो बहु किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्री. वि./एफ.डी./200-83/2536. —चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राह्यींके कि मैसर्ज पैरामाऊन्ट इण्डस्ट्रीज प्लाट नं० 100, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री केन्हेयालाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वीछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (थ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7(क) के अधीन औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादशस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री कन्हैया लाल की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ंठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?